सम्राट पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय अजमेर

दर्शनशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय युवा दिवस 2024

विवेकानन्द जयंती

प्रतिवेदन

स्वामी विवेकानन्द जी की 162वी जयंती के अवसर पर दर्शन शास्त्र विभाग के द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मिलन कुमार यादव एवं अकादमिक प्रभारी प्रोफेसर अनिल दाधीच, मुख्य अतिथि माननीय सुनील दत्त जैन, कार्यक्रम अध्यक्ष स्वामी द्वारकेशानंद जी एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सभी संकाय सदस्य, महाविद्यालय के अन्य शिक्षक मौजूद रहे। उनकी मौजूदगी में महाविद्यालय के लगभग 150 छात्र/ छात्राओं ने महाविद्यालय के प्रांगण में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया, जिसे योग प्रशिक्षक सुगन चंद जी द्वारा संचालित किया गया | सूर्य नमस्कार करने वाले सभी संभागीगणों के संकेतार्थ के रूप में स्नात्तकोत्तर उत्तरार्ध के विद्यार्थी ऋषि मालोदिया ने अग्रसर की भूमिका निभाई |

योग पूर्ण करने के पश्चात आगे का कार्यक्रम महात्मा गांधी सभागार में प्रारम्भ किया गया | कार्यक्रम के संचालक रामानंद कुलदीप ने सभी अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया एवं मंचस्थ अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष मंचस्थ अतिथियों व प्राचार्य के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र को पुष्पांजलि कर किया गया |

कार्यक्रम की सम्पूर्ण योजना सह- आचार्य श्री रामानंद कुलदीप द्वारा तैयार की गयी एवं विषय प्रवर्तन करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय युवकों के लिए स्वामी विवेकानंद जी से बढ़कर कोई दूसरा आदर्श, नेता व प्रेरणास्त्रोत नहीं हो सकता | वर्तमान में देश के युवा वर्ग में मानसिक चुनौतियों व साहसिक कार्यों से पलायन की प्रवृत्तियों से निजात दिलाने में स्वामी विवेकानंद जी का जीवन व चिंतन एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है |

महाविद्यालय के अकादमिक प्रभारी प्रोफेसर अनिल दाधीच ने स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन, शिकागो यात्रा व सम्पूर्ण भारत वर्ष में भ्रमण कर भारत की ज्ञान परंपरा के प्रसारण, युवाओं के जागरण व विश्व को सनातन संस्कृति की देन पर उनकी दृष्टि को विद्यार्थियों के समक्ष रखा |

स्वामी विवेकानन्द के जीवन व दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अजमेर शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी, प्रखर वक्ता व प्रसिद्ध व्यवसायी माननीय सुनील दत्त जैन ने विद्यार्थियों से विवेकानन्द जी के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया | भारतीय दर्शन व सनातन संस्कृति के उनके चिंतन को विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए छात्रों के हृदय में ऊर्जा का स्फुरण किया | विवेकानंद जी के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी जी ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सारे विश्व को परिचित करवाया।

माननीय सुनील दत्त जी जैन ने सभी शिक्षकों से स्वामी रामकृष्ण परमहंस बनकर युवाओं का मार्गदर्शक बनने का आह्वान किया तथा सभी छात्र-छात्राओं को भी स्वामी विवेकानंद जैसा शिष्य बनने की नसीहत दी।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए रामकृष्ण मिशन की अजमेर इकाई के प्रमुख स्वामी द्वारकेशानंद जी ने छात्रों से स्वामी विवेकानन्द के साहित्य को लेकर उनमें पाए जाने वाले चिंतन पर संवाद कायम किया | उन्होंने बताया की स्वामी जी का एक एक वाक्य तेजस्विता देने वाला है | स्वामी जी ने आत्मज्ञान की महत्ता का प्रतिपादन किया सुन्दर उदाहरणों द्वारा स्वामी जी ने आत्मा के साक्षात्कार पर बल दिया। स्वामी विवेकानन्द जी के संक्षिप्त जीवन की उपलब्धियों को राष्ट्र के परम वैभव पर पहुंचने के लिए अनिवार्य बताते हुए युवाओं को आगे आने का और उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया | स्वामी द्वारकेशानंद जी ने विवेकानंद जी के विचारों को छात्र छात्राओं के लिए बम की संज्ञा देते हुए बेहद प्रेरक बताया।

कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन की प्रक्रिया में दर्शन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉक्टर) रेखा यादव ने मुख्य वक्ता माननीय सुनील दत्त जी जैन व श्रद्धेय स्वामी द्वारकेशानंद जी का दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से सहर्ष आमंत्रण स्वीकार करने व कार्यक्रम में अपना मूल्यवान उद्बोधन देने के लिए हृदय से आभार प्रकट किया | साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य का भी सम्पूर्ण कार्यक्रम में उत्कृष्ट निर्देशन व सहयोग के लिए आभार प्रकट किया महाविद्यालय के अकादमिक प्रभारी प्रोफेसर अनिल दाधीच, अन्य सभी संकाय सदस्यों, विभाग की प्रोफेसर हीरू फेरवानी, डॉ ज़फ़ीशा ज़ैदी और डॉ पिंकी योगी एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सभी शोधार्थी सुगन चंद, रामधन चौधरी, रवि कुमार, भव्यता चौहान इन सभी के सक्रिय सहयोग के लिए हृदय से आभार ज्ञापित किया | महाविद्यालय के अमूल्य निधि सभी उपस्थित छात्र - छात्राओं जिनकी उपस्थिति व सक्रिय सहभागिता जिससे कार्यक्रम सफल हो पाया इन सभी का भी हृदय से आभार जताया |

अंत में सफाई कर्मचारियों व अन्य प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया| रामकृष्ण मिशन के स्थानीय इकाई के द्वारा महाविद्यालय में तीन दिवसीय विवेकानन्द साहित्य विक्रय का भी सफल सहयोग किया गया | महाविद्यालय के विभिन्न संकाय सदस्यों व अनेक छात्र छात्राओं ने विवेकानन्द साहित्य व रचनाओं को ख़रीदा |

युवा दिवस 2024

युवा दिवस 2024